(This question paper contains 4 printed pages)

Serial Number of question paper : **6873**

Unique Paper Code : 2273100030

Name of the Paper : Sectoral Issues in Indian Economy

Name of the Course : Common Pool DSE Economics

Semester : VI/VIII

Duration: 3 hours **Maximum Marks : 90 Marks**

Instructions for Candidates

1. **Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.**
2. **Answers may be written in either English or Hindi, but the same medium should be used throughout the paper.**
3. **The question paper consists of *eight* questions. Answer any *five* questions.**
4. **All questions carry equal marks, 18 marks each.**

1. Evaluate the trends in real farm income growth in India from 1983-84 to 2011-12, and discuss how these align with the historical growth phases of the agricultural sector. **(18)**

2. Examine the major policy initiatives introduced by the government in recent decades to promote agricultural growth. Evaluate whether these measures, along with the emphasis on a Second Green Revolution focused on high-value crops, can ensure inclusive growth in the agricultural sector. **(9,9)**

3. Critically assess the political economy of India's food policy since the independence. **(18)**

4. "Major food-based assistance programs like the ICDS and MDMS have morphed into mere conduits for subsidized grain." To what extent has the focus on calorie adequacy in these schemes limited their effectiveness in addressing child and maternal malnutrition? Discuss with reference to recent reforms. **(18)**

5. Despite a substantial decline in agriculture's contribution to India's GDP to about one-seventh, the sector continues to employ nearly half of the workforce. Examine this imbalance and analyse the factors underlying the slow pace of structural transformation in the Indian economy. **(18)**

6. Appriase the validity of the question "Is there less krishi (agriculture) in Bharat (rural India)?" also discussing the gap between the percentage of households 'engaged' in agriculture versus those 'dependent' on it. **(18)**

7. Critically examine the argument that the traditional export-led growth strategy, which proved successful for several Asian economies, may have limited relevance for India under the prevailing global economic conditions of 2014, with reference to the Make in India initiative. **(18)**

8. "The stagnation of India's public sector is not a result of inherent economic inefficiency, but rather a consequence of 'fiscal orthodoxy' and 'competitive politics'." Discuss this statement in the context of India's post-1991 economic reforms. **(18)**

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश:

1. प्रश्न पत्र प्राप्त होते ही अपना रोल नंबर सबसे ऊपर लिखें।

2. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं, लेकिन पूरे प्रश्नपत्र में एक ही माध्यम का प्रयोग करें।

3. प्रश्नपत्र में आठ प्रश्न हैं। किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

4. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं, प्रत्येक प्रश्न 18 अंकों का है।

1. 1983-84 से 2011-12 तक भारत में वास्तविक कृषि आय वृद्धि के रुझानों का मूल्यांकन करें और चर्चा करें कि ये कृषि क्षेत्र के ऐतिहासिक विकास चरणों के साथ किस प्रकार मेल खाते हैं। (18)

2. कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए हाल के दशकों में सरकार दवारा शुरू की गई प्रमुख नीतिगत पहलों का विश्लेषण करें। मूल्यांकन करें कि क्या ये उपाय, उच्च मूल्य वाली फसलों पर केंद्रित दवितीय हरित क्रांति पर जोर देने के साथ, कृषि क्षेत्र में समावेशी विकास सुनिश्चित कर सकते हैं। (9,9)

3. स्वतंत्रता के बाद से भारत की खादय नीति की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें। (18)

4. "आईसीडीएस और एमडीएमएस जैसी प्रमुख खादय सहायता कार्यक्रम रियायती अनाज के लिए मात्र माध्यम बनकर रह गए हैं।" इन योजनाओं में कैलोरी की पर्याप्तता पर जोर देने से बाल एवं मातृ कुपोषण को दूर करने में इनकी प्रभावशीलता किस हद तक सीमित हुई है? हाल के सुधारों के संदर्भ में चर्चा कीजिए। (18)

5. भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान लगभग एक-सातवें तक कम होने के बावजूद, यह क्षेत्र अभी भी लगभग आधे कार्यबल को रोजगार प्रदान करता है। इस असंतुलन का परीक्षण कीजिए और भारतीय अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन की धीमी गति के अंतर्निहित कारकों का विश्लेषण कीजिए। (18)

6. "क्या भारत (ग्रामीण भारत) में कृषि कम है?" प्रश्न की वैधता का मूल्यांकन कीजिए, साथ ही कृषि में 'लगे' परिवारों और उस पर 'आश्रित' परिवारों के प्रतिशत के बीच के अंतर पर भी चर्चा कीजिए। (18)

7. मेक इन इंडिया पहल के संदर्भ में, इस तर्क का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए कि पारंपरिक निर्यात-आधारित विकास रणनीति, जो कई एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के लिए सफल साबित हुई, 2014 की मौजूदा वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में भारत के लिए सीमित प्रासंगिकता रखती है। (18)

8. "भारत के सार्वजनिक क्षेत्र की स्थिरता अंतर्निहित आर्थिक अक्षमता का परिणाम नहीं है, बल्कि 'राजकोषीय रूढ़िवादिता' और 'प्रतिस्पर्धी राजनीति' का परिणाम है।" भारत के 1991 के बाद के आर्थिक सुधारों के संदर्भ में इस कथन की चर्चा कीजिए। (18)

(2000)